

पीएम कुसुम योजना : सौलर पम्पसेट वितरण के लिए चयन समिति की बैठक रांची जिले के लिए 2131 आवेदन स्वीकृत

खबर मन्त्र व्हायर

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को समाहरणालय में आयोजित चयन समिति की बैठक में पीएम कुसुम योजना अंतर्गत सौलर पम्पसेट वितरण और इंस्टालेशन के लिए लाभुकों का चयन किया। बैठक में 2131 आवेदन को स्वीकृत प्रदान की गयी। बैठक में प्रोजेक्ट डायरेक्टर आईटी.टी.एस.हर कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार भगत, जिला कृषि पदाधिकारी राम शंकर सिंह, विद्युत कार्यपालक अधिकारी, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल रांची, पूर्वी, पश्चिम, कोकर, कार्यपालक अधिकारी लघु स्वीचार प्रमंडल रांची एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजित रूप से कमज़ोर लघु एवं सीधांत किसानों के लिए योजना : नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा



प्रखंडवार आंकड़ा

जिलगढ़ा-235- आवेदन स्वीकृत, बुझ-25- आवेदन स्वीकृत, बुझ-288- आवेदन स्वीकृत, बालोरी-88- आवेदन स्वीकृत, छावी-38- आवेदन स्वीकृत, खालोरी-95- आवेदन स्वीकृत, लापुंग-96- आवेदन स्वीकृत, मांडर-179- आवेदन स्वीकृत, बग्नी-34- आवेदन स्वीकृत, नामजुगा-95- आवेदन स्वीकृत, अररालो-64- आवेदन स्वीकृत, राह-28- आवेदन स्वीकृत, रात्-239- आवेदन स्वीकृत, शिल्लो-105- आवेदन स्वीकृत, सोलाहात्-42- आवेदन स्वीकृत, नामड-6- आवेदन स्वीकृत।

मंत्रालय (एमएनआरड) भारत सरकार एवं झारखंड अध्यक्ष ऊर्जा विकास एजेंसी (जेरेडा) राज्य सरकार द्वारा पीएम कुसुम योजना अंतर्गत रांची जिले में सौलर वाटर कम्पोज़ एवं डिप इंजिनियरिंग (सिंचाई) से जुड़े किसानों एवं महिलाओं को प्रायोगिकता दी जाती है। उक्त योजना के तहत भी पूर्व की तरह ही लाभुक अंशदान की राशि के वैसे लाभुकों का चयन किया जाना

रांची ऊर्जा विकास एजेंसी राहुल कुमार



सेना भर्ती रैली में अग्निवीर के लिए युवाओं ने दिखाया अपना दमखम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। खेलांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शनिवार को सेना बहाली के पहले दिन, सेना भर्ती रैली में अग्निवीर टेक्निकल एवं ऑफिस असिस्टेंट के लिए झारखंड राज्य के सभी जिलों के शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवार एवं जननिय कमीसन अधिकारी (धर्म/शिक्षक) एंट्री के लिए बिहार एवं झारखंड के बुवा शामिल हुए। सभी एंट्रीयों में लगभग 500 युवाओं ने दिखाया अपना दमखम। लाग्वार रात्रि के 3 बजे भर्ती रैली का आगाज हुआ।

सेना भर्ती कार्यालय रांची के द्वारा जिला प्रशासन की मदद से अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है। रात्री 1 बजे

मार्शिलिंग एरिया में आगमन के

प्रत अध्यर्थियों के एडमिट कार्ड एवं अन्य जरूरी दस्तबों को सेना जिला प्रशासन की मदद से अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 2 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 3 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 4 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 5 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 6 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 7 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 8 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 9 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 10 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 11 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 12 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 13 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 14 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 15 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 16 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 17 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 18 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 19 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 20 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 21 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 22 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 23 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 24 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 25 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 26 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 27 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 28 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 29 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 30 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 31 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 32 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 33 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 34 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 35 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 36 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 37 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 38 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 39 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 40 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 41 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 42 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 43 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 44 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 45 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 46 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 47 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 48 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 49 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 50 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 51 बजे तक अध्यर्थियों के विद्याम की उचित व्यवस्था की गई है।

रात्री 52



भाजपा नेता जैलेंद्र

कुमार ने किया सहयोग

सिकिदिरी। भाजपा नेता जैलेंद्र

कुमार ने जननिवार को सिकिदिरी के

देल्हीवाला खुंबा नियासी राधा मुंडा के

श्राद्धकम के लिए खाद्य सामग्री व

नगद राशि देकर सहयोग किया है।

राधा मुंडा का विगत सप्ताह गंभीर

बीमारी से निधन हो गया था।

शनिवार को जैलेंद्र उनके घर

जाकर मृतक की पत्नी मैनी देवी व

पुत्र बबलु मुंडा को चाल, दाल,

तेल, आटा, अलू व अन्य खाद्य

सामग्री और नगद राशि सौंपी। मैनी

पर भाजपा नेता सुजीत सोनी, मंडल

महामंत्री सप्ताल रात,

ब्रजकिशोर प्रसाद, शशि प्रभा देवी

आदि उपस्थित थे।

जैविक उद्यान का वृद्ध

बायसन की मौत

ओरमांझी। भगवान विरसा जैविक

उद्यान के वृद्ध इंडियन बायसन

(गैर) की मौत हो गई है। बताया

गया कि 2007 में मैसूरु चिडियांधर

से लाए गए बायसन काफी वृद्ध हो

गया था, और मिछले एक वर्ष से

बिहार था। मौत के बाद पोस्टमॉटम

कर उसे जैविक उद्यान के बायदाह

गृह में लाना दिया गया। एक दिन

पूर्व गुरुवार को भी जैविक उद्यान

के तेंडुआ गानी की भी मौत हो गई

थी। इस संबंध में जानकारी देने के

लिए किसी भी पदाधिकारी व कर्मी

तैयार नहीं थे। फोन करने पर कोई

भी फोन रिसिव तक नहीं आ रहे

थे। यहां तक की उद्यान निदेशक

जबर शांता द्वारा भी फोन रिसिव नहीं

किया गया। बताये गये विद्युतीकरी

रामबाबू कुमार ने भी फोन रिसिव किया

लेकिन उन्होंने भी कुछ भी जानकारी

नहीं दी, कहा वे पटना में हैं और

किसी भी उद्यान के पृष्ठ की मौत

की जानकारी नहीं है।

वज्रपात से मरवीशी की मौत

ठाकुरांग। काके प्रखण्ड के बगदा

नियासी राणी देवी का एक काढ़ा

और एक भैंस की मौत वज्रपात की

चेपेट में आये थे हो गई। जानकारी

के अनुसार दोनों मरवीशी घर के

बाहर थे इसी दौरान शुक्रवार की

देर शाम भारी बारिश के साथ

वज्रपात होने से मरवीशी वज्रपात की

चेपेट में आये और मौके पर ही

दोनों मरवीशी को मौत हो गईं।

सुधा रामुखिया पूजा

पूजा किस्पेटा, मदन महोता, नवीनलाल

महतों मैंके पर पहुंचे और

पशुपालन विभाग को सुचित किया

गया। शनिवार को भ्रमण चिकित्सा

पदाधिकारी तनबीर आलम ने दोनों

मरवीशी का पोस्टमॉटम

किया। मैंके पर मुखिया विद्युती

कोहिंगा किसान की जांच के बाद

किसान को जल नहीं सरकार से

मुआवजा दिलाया जाएगा।

शिक्षकों ने की

परियोजना निदेशक के

बयान का विरोध

ओरमांझी। अखिल झारखण्ड

प्रथमिक शिक्षक संघ के आहवान

पर शुक्रवार को ओरमांझी प्रखण्ड के

शिक्षकों के द्वारा झारखण्ड शिक्षा

परियोजना निदेशक के विरोध प्रदर्शन

किया गया। संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष

सतीश बड़ाइक के नेतृत्व में विरोध

प्रदर्शन करने वाले नेता का

विरोध करते हुए, शिक्षा परियोजना निदेशक

के बाद वाले के विरोध प्रदर्शन कर

करते हुए, शिक्षा परियोजना निदेशक

के बाद वाले के विरोध प्रदर्शन कर

रहे थे। संघीय बड़ाइक ने कहा

वायरल विडियो में जिस प्रकार की

झारखण्ड शिक्षा परियोजना निदेशक

द्वारा चप्पल पहनकर स्कूल अने

वाले विश्वकों को उत्तीर्ण चप्पल से

पीटने की बात ही गई। इस बयान से शिक्षकों में आक्रोश है। प्रखण्ड के शिक्षक रोप

प्रकट करते हुए, संघीय बड़ाइ

के क्षेत्रों में विश्वकों को

प्रदर्शन करते हुए, शिक्षकों की

विरोध करते हुए, शिक्षकों को

प्रदर्शन करते हुए, श

फ्रांसीसी विचारक विचारक ज्यां बोद्धियो ने आधिक उपभोक्तावाद की मीमांसा करते हुए कहा है कि पहले वस्तु आती है तो वह सुख देने वाली लगती है। अंत में वह दुःख देकर चली जाती है। पहले वह भीली लगती है, किन्तु अंत में बुरी साबित होती है। आर्थिक विचारणाओं एवं विषमताओं को ढूकरने के लिये उपभोक्ता जागृत जरूरी है। आज का उपभोक्तावादी दृष्टिकोण एक प्रकार का सम्मान बन गया है, हिन्दीरिया की बीमारी बन गया है।

सम्मोहन करने वाला जैसा नचायेगा, उपभोक्ता वैसा ही नचायेगा, उपभोक्ता के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण कैसे संभव होगी? यह तभी संभव है जब हमारा उपभोग के प्रति सम्यक दृष्टिकोण होगा।

किस सीमा तक उपभोग सराहनीय है?

ललित गर्ण

उपभोक्ता में उत्पादकता और गुणवत्ता संबंधित जागृतीकारों को बढ़ाने, जगमगारी, कालावाजारी, मिलावट, अधिक दाम, कम नाप-तोल इत्यादि संकटों से उपभोक्ता को मुक्ति दिलाने एवं उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के बारे में लोगों को जानकारी देकर उपभोक्ता के हितों के रक्षा आवश्यक है। उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए इसी दिन 24 दिसंबर, 1986 को भारत सरकार ने ऐतिहासिक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986 लागू किया गया था। इसके बाद इस अधिनियम से 1991 में संशोधन किया गया। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को अधिकारिक कार्यरत और प्रयोजनानुरूप बनाने के लिए दिसंबर 2002 में एक व्यापक संसेधन लाया गया और 15 मार्च 2003 से लागू किया गया। यह दिन भारतीय ग्राहक आनंदोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। भारत में यह दिवस पहली बार वर्ष 2000 में मनाया गया और आगे भी प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है।

उपभोक्ता संरक्षण कानून से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि किसी भी शासकीय राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस इसलिये मनाया जाता



पक्ष ने इस विदेशक को तैयार नहीं किया है ताकि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के बल्कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने प्रथमतः इस विदेशक का मौलिया तैयार किया। हम में से हर व्यक्ति किसी न रुप में उपभोक्ता है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार कोई व्यक्ति जो अपने उपयोग के लिये सामान खरीदता है, वह उपभोक्ता है। उपभोक्ता क्योंकि संगठित नहीं है इसलिए हर जाह ठगा जाता है। इसलिए उपभोक्ता को जगना होगा और खुद को इन संकटों से बचाना होगा। बहुत कम उपभोक्ता जानते होंगे कि उनके व्यक्ति अधिकार हैं। उपभोक्ता दिवस मनाने हुए हम केवल उपभोक्ता अधिकारों की ही बात

नहीं करते बल्कि उपभोक्ता की उन्नत एवं सम्यक सोच की भी विकसित करते हैं। अमेरिकी लेखक और मौर्यवेशनल स्पीकर ब्रिएन विएस्ट ने कहा भी है कि जब जिनी स्तर पर हमारा दर्शन सुकृत वही रह जाए कि हम बिना कोई प्रश्न पूछे वही करने लगें, जो हमें कहा जाए, तो इसका अर्थ है कि हम उपभोक्तावाद या अपने अंत वाली किसी के प्रति अंधे द्रष्टा का शिकायत हो रहे हैं या किसी ऐसे की इच्छा का पोषण कर रहे हैं, जो हमें नियंत्रित करना चाहता है। आज की बाजार शक्तियों इसी तरह उपभोक्ताओं का शोषण करती है। इन्हें उपभोक्तावाद एवं बाजार शक्तियों के कारण जीवन में सुख का अधिग्राहण केलिए थोग और उपभोग की माना जाने लगा है। ऐसे में ज्यूटी शानों-शौकों के दिखावे के चक्कर में उपभोक्ता अविवेकशील होकर अनावश्यक चीजों को भी थैले में भरकर घर ला रहा है। बाजार एवं उपभोक्तावादी संस्कृति के इस काले जादू के अगे उपभोक्ता बेबस एवं लाचार खड़ा है। जिसके कारण वस्तुओं की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, स्तर और मूल्य, जैसा भी मापला हो के बारे में जानकारी की गुणवत्ता आदि का व्यापक वर्णन करता है। उपभोक्ता नहीं है। न चाहते हुए भी उपभोक्ता लूट का शिकायत करना चाहता है।

शिक्षा, शोध व प्लेसमेंट बनी एसबीयू की पहचान



वर्ष 2017 में अपनी स्थापना के महज कुछ वर्षों के भीतर ही सरला बिरला विश्वविद्यालय ने शोक्षणिक उत्कृष्ट के नए मापदंड स्थापित कर आरंभित ही नहीं, बल्कि आसपास के राज्यों - बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के शैक्षणिक वाचावरण को अनूठी सौगंध दी है। विश्वविद्यालय का व्यावधारणीयों को उच्च गुणवत्ता और समकालीन शिक्षा प्रदान कर उनका समग्र विकास करना है।

रांची के महिलाएँ स्थित 50 एकड़ परिसर में फैला सरला बिरला विश्वविद्यालय झारखंड का प्रमुख निजी विश्वविद्यालय है। देश के प्रतिष्ठित व्यावसायिक समूहों में शुभ्रां बिरला विश्वविद्यालय का मौलिया और उत्तर प्रदेश के शैक्षणिक वाचावरण को अनूठी सौगंध दी है। विश्वविद्यालय का व्यावधारणीयों को उच्च गुणवत्ता और समकालीन शिक्षा प्रदान करना चाहिए।

योग्य, अनुभवी एवं प्रतिष्ठित संकाय के कुशल दिव्याधिकरण नियंत्रण में विश्वविद्यालय का नियंत्रण के लिये एवं लाभान्वयक रहता है।

- पेशाव बोहों बन बंद हो जाए तो दो चम्पां व्याज आदा लेकर हलवा बना लैं।

- बाल गिरने की समस्या से बचाव करके पेट पर लेप लगाने से पेशाव आना शुरू हो जाता है।

व्याज पानी में उत्तालकर वह पानी पाने से भी पेशाव संबंधी समस्याएं समाप्त हो जाती है।

- बाल गिरने की समस्या से बचाव करके पेट पर लेप लगाने पर आगे गोहू का आदा लेकर हलवा बना लैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं। इसके अलावा, व्याज का अनुच्छेद 14, 15, और 21 के साथ ही 44 को सामिल किया गया है।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं। इसके अलावा, व्याज का अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

- अनुच्छेद 44 समान नागरिक सहित के बारे में ही है। अनुच्छेद 44 अनुसार, शासन भारत के नियंत्रण के लिए व्याज बहुत ही असरदार है। बालों के बाल व्याज के रस की मालिश करने से बाल गिरना बंद हो जाते हैं।

<p

बड़े काम की हैं छोटी-छोटी स्किल्स

अन्न अंबालिका

कोई बर्किंग बुमन हों या फिर होम मेकर, कुछ ऐसे काम हैं जो जरूर सीख लेने चाहिए। जिंदगी को आसान और उपयोगी बनाने में इनकी बड़ी भूमिका हो सकती है। इनमें से कुछ स्किल्स भले ही अपके रोजमर्ग की जिंदगी में काम न आए लेकिन जब इनकी जरूरत पड़ती है और ये अपकी सीखी हुई नहीं होती हैं, तो अपको बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। वैसे भी छोटी-छोटी बातों के लिए किसी दूसरेका सहारा लेना कोई अच्छी बात नहीं। ये धेरेलू जरूरतों से जुड़े हैं वे बाहर काम आने वाले हैं। जानिये ऐसे ही छोटे-मोटे लेकिन सीखने के लिए लाजिमी काम या स्किल्स।

होम इकोनॉमिक्स यानी घेरेलू रिपेयरिंग

इसका संबंध अर्थशास्त्र से नहीं है, लेकिन घर की जरूरतों से जुड़ी स्किल्स से है। विदेशों में एक सब्जेक्ट की तरह इसे कॉलेजों में पढ़ाया जाता है। इसके तहत आपको घेरेलू जरूरतों से जुड़ी कई स्किल्स की प्रैक्टिकल पढ़ाई करवाई जाती है। लेकिन हमारे देश में आप इसे दूसरों को करते हुए या अलग-अलग फील्ड के लोगों से सीख सकती हैं। वैसे तो इसमें हाउस पेटिंग, प्लांबिंग, कारपेंटी, इलेक्ट्रिकल वर्क एवं घर को मेनेंट रखने की ओर रिपेयरिंग से जुड़ी छोटी-मोटी कई चीज़े हैं, लेकिन आप कुछ जरूरी चीज़े जरूर सीखते हैं। ये घरों के बाहर काम आने वाले हैं। जानिये ऐसे ही छोटे-मोटे लेकिन सीखने के लिए लाजिमी काम या स्किल्स।

होम इकोनॉमिक्स यानी घेरेलू रिपेयरिंग

इसका संबंध अर्थशास्त्र से नहीं है, लेकिन घर की जरूरतों से जुड़ी स्किल्स से है। विदेशों में एक सब्जेक्ट की तरह इसे कॉलेजों में पढ़ाया जाता है। इसके तहत आपको घेरेलू जरूरतों से जुड़ी कई स्किल्स की प्रैक्टिकल पढ़ाई करवाई जाती है। लेकिन हमारे देश में आप इसे दूसरों को करते हुए या अलग-अलग फील्ड के लोगों से सीख सकती हैं। वैसे तो इसमें हाउस पेटिंग, प्लांबिंग, कारपेंटी, इलेक्ट्रिकल वर्क एवं घर को मेनेंट रखने की ओर रिपेयरिंग से जुड़ी छोटी-मोटी कई चीज़े हैं, लेकिन आप कुछ कई स्किल्स की प्रैक्टिकल पढ़ाई करवाई जाती है। लेकिन हमारे देश में आप इसे दूसरों को करते हुए या अलग-अलग फील्ड के लोगों से सीख सकती हैं। वैसे तो इसमें हाउस पेटिंग, प्लांबिंग, कारपेंटी, इलेक्ट्रिकल वर्क एवं घर को मेनेंट रखने की ओर रिपेयरिंग से जुड़ी छोटी-मोटी कई चीज़े हैं, लेकिन आप कुछ कई स्किल्स की प्रैक्टिकल पढ़ाई करवाई जाती है। ये घरों के बाहर काम आने वाले हैं। जानिये ऐसे ही छोटे-मोटे लेकिन सीखने के लिए लाजिमी काम या स्किल्स।

फर्स्ट एप्ट

बीमारी और दुर्घटनाएं कभी भी हो सकती हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी है मरीज या दुर्घटनाग्राहण व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा देना और तुरंत अस्पताल पहुंचना। हमेशा घर में कुछ जरूरी दवाएं जैसे ही स्टेटिक मलहम, बैंडेज, पेनकिलर दवाएं, व स्प्रे, कॉटन, गैस की दवाएं, जो मिलाने पर दी जाने वाली दवाएं आदि रखनी चाहिए और साथ ही फर्स्ट एप्ट का प्रशिक्षण भी ले लेना।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर दो तरह के होते हैं। एप्लिकेशन और सिस्टम। इन दोनों सॉफ्टवेयर्स की हेल्प से कई तरह की प्रोग्रामिंग लैंगेज विकसित की जाती हैं, जिनका उपयोग विभिन्न प्रकार के काम में किया जाता है।

फोकस नार्केट डिमांड पर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर बाजार के मांग के अनुसार सॉफ्टवेयर्स की डेवलपमेंट में हेल्प करते हैं। किस सॉफ्टवेयर में क्या कमी है, किसमें क्या नई चीज़ जोड़नी है, वे काम भी इन्हीं के जरूर रहते हैं। किसी भी प्रोग्राम के नए वर्जन में भी इनकी भूमिका आगे ही रहती है।

जॉब ऑफर्स

आईटी को लेकर स्टूडेंट्स का रुझान निः तरह बढ़ रहा है, उसे देखते हुए इसके प्रोफेशनल्स के लिए जॉब की कोई कमी आने वाले कई वर्षों तक नहीं होगी। कंप्यूटर का इस्तेमाल बढ़ने से कई नए तरह के सॉफ्टवेयर बनाए जाने की जरूरत जरूरी रुझान की होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर। इससे समझा जा सकता है कि इनकी मांग तक रोबन सभी क्षेत्र में है।

नवीनतक जानकारी से अपडेट

एक अच्छा सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना है, तो

चाहिए।

व्हीकल्स का रेगुलर मेंटेनेंस

जब छोटी-मोटी खानावी के चलते वाहन रास्ते में अचानक अटक जाए और आसपास कोई मैकिनेक न मिले ऐसे में वाहनों के रख खाय से जुड़ी छोटी मोटी चीज़ों वाले करते हैं। बच्चों के एडमिशन के दौरान, सरकारी दफ्तर में, कोर्ट में एफडेविट, डॉक्टर के पास जाने के लिए या तो वे अपने पात, बेटे को साथ लेकर जाती हैं या फिर उन्हीं को भेजती हैं। ऐसे में कम्यूनिकेशन स्किल डेवलप करना और साथ ही अकाउंट भी सिक्योरी करना सीखने चाहिए। कार चलाती हैं तो टायर बदलना सीखना भी जरूरी है।

अनजान लोगों से संवाद करना

बड़ी संख्या में महिलाएं किसी अपरिचित से बातचीत करने में हिचकती हैं। बच्चों के एडमिशन के दौरान, सरकारी दफ्तर में, कोर्ट में एफडेविट, डॉक्टर के पास जाने के लिए या तो वे अपने पात, बेटे को साथ लेकर जाती हैं तो वे अपने पात, बेटे को साथ लेकर जाती हैं। ऐसे में कम्यूनिकेशन स्किल डेवलप करना और साथ ही अकाउंट भी सिक्योरी करना सीखने चाहिए।

साइबर प्राइवेसी प्रोटोकॉल करना

साइबर क्राइम में हुई बड़ोंतरी के मद्देनजर यह जरूरी है। कूल माम पट्टे डाँट कर्म की लिज गंवीन बताती है, जब भी आप ऑनलाइन शॉपिंग करती हैं, तो वे एडेस के शुरूआत में देखें अगर ३८३ के बाद २ नहीं लगा है, तो आपको क्रेडिट कार्ड की सूची राज्य के और अद्यावधि विकास करना चाहिए।

साइबर प्राइवेसी प्रोटोकॉल करना

बड़ी संख्या में महिलाएं किसी अपरिचित से बातचीत करने में हिचकती हैं। बच्चों के

एडमिशन के दौरान, सरकारी दफ्तर में, कोर्ट में एफडेविट, डॉक्टर के पास जाने के लिए या तो वे अपने पात, बेटे को साथ लेकर जाती हैं तो वे अपने पात, बेटे को साथ लेकर जाती हैं। ऐसे में कम्यूनिकेशन स्किल डेवलप करना और साथ ही अकाउंट भी सिक्योरी करना सीखने चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको हमेशा पता होना चाहिए कि आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या लाइफ इंश्योरेंस कितने की है और आपको उससे करना चाहिए।

फाइनेंस कंट्रोल करना

आपको पास कितनी आ? है, कितनी सेविंग्स हैं, महीने का औसत खर्च क्या है। आपकी

हेल्थ इंश्योरेंस या

